मुतमज़ि मुरुगन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में पलानी में **मुतमज़ि मुरुगन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** संपन्न हुआ, जो तमिल संस्कृति और आध्यात्मिकता को परिलक्षित करता है। इसमें समग्र विश्व से एक लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए।

- सम्मेलन आयोजन के उद्देश्यों में **मुरुगन उपासना के मूल सिद्धांतों का प्रसार** करना, उनके दार्शनिक सिद्धांतों को प्राप्य बनाना, विश्व में व्याप्त सभी श्रद्धालुओं को एकजुट करना एवं पुराणों व तिरुमुरै की शिक्षाओं का प्रचार करना शामिल है।
    - भगवान मुरुगन, जिन्हें **कार्तिकेय, स्कंद या सुब्रह्मण्य** के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू देवता हैं। वह भगवान शिव और देवी पार्वती की संतान हैं, जिन्हें षट्मुखी और मोर को सवारी के रूप में धारण किये दर्शाया जाता है।
- मुरुगन तमिलनाडु में प्रमुख हिंदू देवता हैं। उनकी भारत के अन्य क्षेत्रों एवं मलेशिया, सिंगापुर, मॉरीशस, रीयूनियन द्वीप व श्रीलंका में भी उपासना की जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/muthamizh-murugan-international-conference-2024